कन्हार

छत्तीसगढ़ की माटी

अटल बिहारी वाजपेयी वि"वविद्यालय न्यूज लेटर
संस्करण 13(1) जनवरी – मार्च 2023
त्रैमासिक पत्रिका

''ॐ''

कुलगीत

बिलासा में बिलसता विश्वविद्यालय अटल है।
महामाया की किरपा बरसती जिस पर धवल है।
हमारा विश्वविद्यालय अटल है।

'योगः कौशलं कर्मसु'से मंत्रित ज्ञान का मन्दिर।
सिंचा सिउनाथ,अरपा सलिल से विज्ञान का मन्दिर।।
गढ़ा - छत्तीसगढ़ के गढ़ में 'नालन्दा- नवल'है।
हमारा विश्वविद्यालय अटल है।

शहीदों,सन्त,कवियों की ये माटी 'काले हीरों'की ।
जँवारा, चतुरगढ़,मल्हार संस्कृति की नज़ीरों की ।।
सनातन सृजन के सन्धान का संकुल- सकल है।
हमारा विश्वविद्यालय अटल है।

पर्वत-काननों से सुसज्जित आदि-सभ्यता से।
प्रकृति की भव्यता से,दिव्यता से,नव्यता से ।।
उदधि सा धीर,व्यापक व्योम सा,भू सा अचल है।
पवन सा सतत सक्रिय,प्रखर रवि सा जो प्रबल है ।।
हमारा विश्वविद्यालय अटल है ।।

कुलपति की कलम से .....

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर के लिए ऐतिहासिक 'कन्हार' के इस अंक को आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। चतुर्थ दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण था कि नवनियुक्त राज्यपाल माननीय श्री **विश्वभूषण हरिचंद्र के पद ग्रहण पश्चात् उन्होने कुलाधिपति स्वरूप दीक्षांत समारोह को सुशोभित कि**

आने वाले नए साल की सभी को हार्दिक शुभकामनाओं के साथ .....

पर्यावरण सरंक्षण पर व्याख्यान

पर्यावरण सरंक्षण पर व्याख्यान भरिसर्च किसी भी विश्वविद्यालय का प्राण वायु है" – वीं के श्रीवास्तव कुलपति एम एस विश्वविद्यालय बड़ोदा

विश्वविद्यालय व्याख्यानमाला प्रकोष्ठ द्वारा पर्यावरण पर संरक्षण 27 जनवरी को व्याख्यान का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि एम्एस विश्वविद्यालय बड़ौदा के कुलपति विजय कुमार श्रीवास्तव रहे। तथा अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेई जी ने किया। मुख्य अतिथि श्री वी के श्रीवास्तव जी ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण तथा नैक मुल्यांकन मे विश्वविद्यालय स्तर पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वक्षता मिशन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को कैसे जोड़ा जा सकता इसके उदाहरण दिए।

एन एस एस और एन सी सी कैडेट्स को भी इसमें शामिल किया जा सकता हैं। टीसी विथ वीसी, वेस्ट में से वेल्थ योजना, वेस्ट से एनर्जी,सोलर एनर्जी,वाटर हार्वेस्टिंग, वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने पर बल दिया। उन्होंने अंत में पांच संकल्प सुत्र –शिक्षा के साथ दीक्षा, प्रकृति के साथ संस्कृति, सभ्यता के साथ संस्कार, ज्ञान के साथ विज्ञान, ज्ञान के साथ अनुसंधान भी प्रदान किए इन्हे विश्वविद्यालय स्तर पर अपना कर सर्वश्रेष्ठ बनाजा सकता है। कार्यक्रम में

प्राध्यापकगण के द्वारा प्रश्न भी पूछे गए जिन्हें उन्होंने सहजता के साथ जवाब दिया। अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेई जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर कुलसचिव श्री शैलेन्द्र दुबे, उपकुलसचिव श्रीमती नेहा यादव, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ मनोज सिन्हा, डॉ शुमोना भट्टाचार्य, डॉ कलाधर, डॉ जितेन्द्र गुप्ता, डॉ हैरी जार्ज, डॉ हामिद अब्दुल्ला, डॉ सौमित्र तिवारी, डॉ रेवा कुलश्रेष्ठ, डॉ जितेन्द्र गुप्ता, डॉ गौरव साहू, डॉ सीमा बेरोलकर, डॉ लतिका भाटिया, सौम्या तिवारी सहित विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक अधिकारी गण उपस्थित रहे।

शहीद दिवस पर व्याख्यान माला का आयोजन

शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गॉधी जी जीवनी एवं उनकी भविश्य दृश्टि को उजागर करने हेतु व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी श्री रूद्र अवस्थी, वरिश्ठ पत्रकार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी ने की। मुख्य अतिथे ने अपने में व्यक्तव्य में कहा गॉधी जी ने स्वयं भारत भ्रमण कर दे" ा को समझा जाना। उनका यह मानना था कि भ्रमण से भ्रम दुर होता है।उन्हाने स्वतंत्रता को पाने के लिये उचित समय आने की प्रतिक्षा नही की वरन् स्वतंत्रता पाने के लिए अनुकूल वातावरण का सृजन करने प्रयासरत रहे।

अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी ने कहा की वि.वि. गॉधी जैसा वातावरण तैयार करने में गति" ाील है। वि" वविद्यालय गॉधी जी मूल्यों पर पर्यावरण संरक्षण के हित में नवाचारों को अमल में ला रहा है। कुल्हण का प्रयोग पुरे राज्य में ख्याति प्राप्त कर चुका है।

फल एवं सब्जी संग्रहण तकनीक

02 फरवरी .2023 को खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी विभाग के द्वारा व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को अध्यक्षता आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी माननीय कुलपति जी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सुभारंभ अतिथियों के द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा में दीप प्रज्वलन एवं माल्यापर्ण के द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. निलाबरी दबे (पूर्व कुलपति) सौराश्ट वि" वविद्यालय राजकोट, गुजरात जी का स्वागत श्री सौमित्र तिवारी के द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. निलाबरी दबे (पूर्व कुलपति) सौराश्ट वि" वविद्यालय राजकोट, गुजरात द्वारा विभिन्न प्रकार के फलों और सब्जियों के सरंक्षण की तकनीक, लघु उद्योग में स्वयं रोजगार करने के विश्य में छात्र–छात्राओं का` जानकारी प्रदान कि।

“छत्तीसगढिया सबले बढिया” व्याख्यान माला का शुभारंभ

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी ने पिछले दो वर्शो से छत्तीसगढी भाश का प्रयोग कार्यालय की नस्तियो में प्रारंभ कर दिया है। राज्य भाशा को उचित सम्मान देने हेतु यह नवाचार वि” वविद्यालय में प्रारम्भ किया। इसी तारतम्य में माननीय कुलपति जी नई व्याख्यान माला के आयोजन हेतु प्रोत्साहित किया। इस व्याख्यान माला के प्रथम वक्ता पूर्व मुख्य सचिव म.प्र. श्री भारद चन्द्रा बेहरा (भा.प्र.से.) रहे। व्याख्यानमाला में प्रो. जी.डी. भार्मा माननीय कुलपति (न्ज्ड) वि” वविद्याालय रहें। मुख्य वक्ता में श्री बेहरा जी ने विशय की प्रासंगिकता को हर दृश्टिकोण से समझाया । उन्होने छत्तीसगढीया लोगो में कौन आते हैघ डनका स्वभाव, आज के परिपेक्ष में उनमें आनेवाले बदलावो पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथी प्रो. जी.डी. भार्मा ने माननीय कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी को बधाई दी की उन्होंने वि” वविद्यालय को न ही राश्ट्रीय अपितु अंर्तराश्ट्रीय स्तर पर पहचान प्रदान की है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के वकतृत्व कला से सभागार में उपस्थित सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति ने कहा कि इस विशय पर इतना अच्छा वकतव्य सुनकर वे प्रफुल्लित हो गए।

माननीय कुलपति जी का फिजी में व्याख्यान

फिजी में आयोजित 12वें वि" व हिन्दी सम्मेलन में भारत के राष्ट्रीय प्रतिनिधी मंडल में आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी ने फिजी में व्याख्यान प्रस्तुत किया। सम्मेलन का मूल विशय भहिन्दी–पारम्पिरिक ज्ञान से कुत्रिम मेंघा तक" था। इस सम्मेलन में वैश्विक संबंधो की स्थापना भाशाई समन्वय भारत की संस्कृति है। माननीय कुलपति ने कहा कि वि" व में दो प्रकार की भाशाएॅ है एक भरतीय जीवन मुल्यो से उपजी भाशाएॅ और दो भरतीय जीवन मुल्यो से उपजी भाशाएॅ। जहॉ तक भारतीय जीवन मुल्यो से उपजी भाशाए है उनमें सहज समन्वय स्थापित होता है लेकिन समस्याएॅ तब आती है जब गैर भारतीय जीवन मुल्यों से उत्पन्न भाशाएॅ यथा अंग्रेजी, उर्दू। जिनके भाब्दो का भारतीय भाशाओं में अनुवाद करना चाहते है। भारतवर्श की लगभग सभी भाशाएॅ संस्कृत है। यह परिपकवता दुसरी भाशाएॅ में दिखाई नही पडती। पणिनी की व्याकरण और पंतजलि का स्वर विज्ञान दोनो ने मिलकर भारतीयमुल की भाषाओं को भाुध्द किया हैं। इसलिए वे परस्पर प्रेम में रहती हे और उनमें अनुवाद की समस्या नही होती सहज ही समन्वय स्थापित हो जाता है। दे" ाज भाशा जिन्हे बोलियॉ कहतें है, उनका भी मूल स्त्रोत संस्कृत है, भारतीय जीवन मुल्य ह्वै, इसलिए उनमें भी परस्पर उनमें भी परस्पर अनुवाद करने में कोई समस्या नही होती।समस्या तब आती है जब अंग्रजी और उर्दू के भाब्दो के पर्यायवाची भाब्दो को ढुढते है।हिंदी में जैसे धर्म भाब्द का अनुवाद अनुवाद अंग्रजी में नही है। रिलीजन या मजहब सही अनुवाद नही है।द" ाॅन फिलास्पी नही है। सेक्सुलरिज्म धर्मनिरपेक्षता नही है। मोहताज औरन रोजगाार जैसे भरूाब्दो का कोई हिन्दी में सही भाब्द नही मिलता । भाशा पर गंभीर अनुसंधान की आव" यकता है जिससे समन्वय स्थापित हो जथा विश्व में भााति आ सके।

भाषा पर गंभीर अनुसंधान की आवश्यकताः बाजपेयी

फीजी में विश्व हिंदी सम्मेलन में भाषाई समन्वय पर बोले आचार्य अरुण दिवाकर

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
lokswar.in

बिलासपुर। विश्व मे दो प्रकार की भाषाएं हैं एक भारतीय जीवन मूल्यों से उपजी भाषाएं और दो गैर भारतीय जीवन मूल्यों से उपजी भाषायें। जहाँ तक भारतीय जीवन मूल्यों से उपजी भाषाएं हैं उनमे सहज समन्वय स्थापित होता है लेकिन समस्या तब आती है जब गैर भारतीय जीवन मूल्यों से उत्पन्न भाषाएं यथा अंग्रेजी, उर्दू ।उनके शब्दों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद करना चाहते हैं । भारतवर्ष की लगभग सभी भाषाएं संस्कृत भाषा से उत्पन्न हुई है उनकी धातु है ,वचन है ,काल है विभक्ति है ,लिंग है उनका गुण धर्म है ।इसलिए व्याकरण की दृष्टि से वैज्ञानिक और परिपक्व है। यह परिपक्वता दूसरी भाषाओं में दिखाई नहीं पड़ती। पाणिनी की व्याकरण और पतंजलि का स्वर विज्ञान दोनों ने मिलकर भारतीय मूल की भाषाओं को शुद्ध किया है । इसलिए वे परस्पर प्रेम में रहती है और उनमें अनुवाद की समस्या नहीं होती सहज ही समन्वय स्थापित हो जाता है। देशज भाषा जिन्हें बोलियां कहते हैं, उनका भी मूल स्रोत संस्कृत है, भारतीय जीवन मूल्य हैं, इसलिए उनमें भी परस्पर अनुवाद करने में कोई समस्या नहीं होती। समस्या तब आती है जब अंग्रेजी और उर्दू के शब्दों के पर्यायवाची शब्दों को ढूंढते है। हिंदी में जैसे धर्म शब्द का अनुवाद अनुवाद अंग्रेजी में नहीं है। रिलीजन या मजहब सही अनुवाद नहीं है। दर्शन फिलॉसफी नहीं है । सेक्युलरिज्म धर्मनिरपेक्षता नहीं है। मोहताज और रोजगार जैसे शब्दों का कोई हिंदी में सही शब्द नहीं मिलता। आचार्य बाजपेई ने अपने वक्तव्य में कहा भाषा पर गंभीर अनुसंधान की आवश्यकता है जिससे समन्वय स्थापित हो और विश्व में शांति आ सके। उन्होंने आगे भी कहा कुछ ऐसे बीज मंत्र होते हैं जिनका अनुवाद संभव नहीं है और उसकी आवश्यकता ही नहीं होती। उनके उच्चारण मात्र से कल्याण होता है। आचार्य बाजपेई ने अपने संबोधन में कृत्रिम मेधा के उपयोग में सतर्कता बरतने की बात की। प्राकृतिक मेधा का कोई विकल्प नहीं होता। ज्ञातव्य हो कि आचार्य बाजपेई फिजी में संपन्न होने वाले विश्व हिंदी सम्मेलन में सम्मिलित होने के लिए गए हुए हैं और वह 18 फरवरी को वायुयान से बिलासपुर लौटेंगे।

सम्मान | **हिंदी-पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक विषय पर रखेंगे अपनी बात**

फिजी में हिंदी का मान बढ़ाएंगे कुलपति प्रो. वाजपेयी

बिलासपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो. अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी विश्व पटल पर हिंदी का मान बढ़ाएंगे। फिजी में 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन में शामिल होने राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल में उनका मनोनयन हुआ हैं। वे तीन दिनी सम्मेलन में हिंदी-पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक विषय पर अपनी बात रखेंगे।

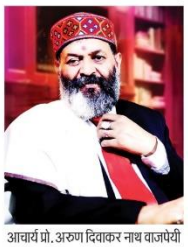

आचार्य प्रो. अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी

आचार्य प्रो. वाजपेयी शासकीय प्रतिनिधि मंडल में शामिल होंगे। 13 फरवरी को नई दिल्ली एयरपोर्ट से फिजी के लिए रवाना होंगे। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का मुख्य विषय हिंदी-पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक है। 10 उप-विषयों पर समानांतर सत्र निर्धारित किए गए हैं। विश्व हिंदी सम्मेलन की संकल्पना राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा द्वारा 1973 में की गई थी। इस संकल्पना के फलस्वरूप, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के तत्वावधान में प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन 10 से 12 जनवरी, 1975 को नागपुर में आयोजित किया गया। सम्मेलन के प्रमुख उद्देश्यों में तत्कालीन वैश्विक परिस्थिति में हिंदी को मानव एवं राष्ट्र सेवा का साधन बनाना तथा हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ में आधिकारिक भाषा का दर्जा दिलाकर विश्व भाषा के रूप में स्थापित करना है। हिंदी को भावनात्मक धरातल से उठाकर एक ठोस एवं व्यापक स्वरूप प्रदान करने में आचार्य प्रो. वाजपेयी का विशेष योगदान रहा है। हिंदी के प्रति उनका विशेष समर्पण है। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में न केवल हिंदी बल्कि छत्तीसगढ़ी में भी नोटशीट लिखना शुरू किया है।

विश्वविद्यालय में लगभग सभी काम हिंदी में ही होता है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में उन्होंने हिंदी को विश्व विद्यालय की प्रशासनिक भाषा बनाया था। इसके लिए पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने उनका सम्मान भी किया था। अधिनियम, अध्यादेश विनियम इत्यादि का हिंदी में अनुवाद कर राज्य शासन से अनुमोदित कराने का प्रयास किया था। संस्था के साथ यह राज्य एवं देश के लिए गौरव का क्षण होगा।

छत्तीसगढ़ फियरलेस वॉच

फिजी देश में आयोजित 12वां विश्व हिंदी सम्मेलन

भारतवर्ष के शासकीय प्रतिनिधिमण्डल में आचार्य श्री अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर सम्मिलित होंगे

बिलासपुर. यह न केवल अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर, अपितु पूरे छत्तीसगढ़ और पूरे विश्वविद्यालय समुदाय का और अर्थशास्त्रियों का सौभाग्य है कि दिनांक 15 से 17 फरवरी 2023 को फिजी देश में होने वाले 12वां विश्व हिंदी सम्मेलन में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति, आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी का राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल में मनोनयन हुआ है और वे दिनांक 13 फरवरी 2023 को नई दिल्ली से प्रतिनिधिमंडल के साथ में विशेष वायुयान से यात्रा करेंगे। उनके इस मनोनयन से अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र गण काफी उत्साहित है और उनके मित्र निरंतर उन्हें शुभकामनाएं प्रदान कर रहे हैं।

सम्मेलन का मुख्य विषय ''हिंदी-पारम्परिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक'' है। इसके उप-विषयों पर 10 समानांतर सत्र निर्धारित किए गए है।

विश्व हिंदी सम्मेलन की संकल्पना राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा द्वारा 1973 में की गई थी। इस संकल्पना के फलस्वरूप, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के तत्वावधान में प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन 10-12 जनवरी, 1975 को नागपुर, भारत में आयोजित किया गया। सम्मेलन के प्रमुख उद्देश्यों में तात्कालीन वैश्विक परिस्थिति में हिंदी को मानव एवं राष्ट्र सेवा का साधन बनाना तथा हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ में आधिकारिक भाषा का दर्जा दिलाकर विश्व भाषा के रूप में स्थापित करना शामिल था।

हिंदी को भावनात्मक धरातल से उठाकर एक ठोस एवं व्यापक स्वरूप प्रदान आचार्य श्री वाजपेयी का विशेष योगदान रहा है आप सभी को ज्ञात है कि आचार्य श्री वाजपेयी का हिंदी के प्रति विशेष समर्पण है। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में न केवल हिंदी अपितु छत्तीसगढ़ी में भी नोटशीट लिखना प्रारंभ किया है और विश्वविद्यालय में लगभग सारा काम हिंदी में ही होता है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में उन्होंने हिंदी को विश्व विद्यालय की प्रशासनिक भाषा बनाया था और इस दृष्टि से पूर्व मुख्यमंत्री, शांता कुमार जी ने उनको बधाई दी थी। उन्होंने विश्वविद्यालय के समस्त अधिनियम, अध्यादेश विनियम इत्यादि का हिंदी में अनुवाद करवा करके प्रदेश शासन से अनुमोदित कराने का प्रयास किया था।

आचार्य श्री वाजपेयी ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की हिंदी में शोध पत्रिका ''कौटिल्य वार्ता'' का लगभग 10 वर्षों तक लगातार संपादन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में हिंदी और अंग्रेजी में अलग-अलग कक्षाएं संचालित करने में भी अपना योगदान दिया। आचार्य श्री वाजपेयी ने लगभग 500 से अधिक व्याख्यान दिए हैं जिनमें अधिकांश हिंदी में ही है। आचार्य श्री ने लगभग 20 शोध प्रबंध हिंदी में ही निर्देशित किए है और अनेकों शोध लेख राष्ट्रीय स्तर के पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित किए है।

आचार्य श्री हिन्दी के प्रख्यात कवि है। उन्होंने पंकज रंग और नीरज जी के साथ में काव्य पाठ किया है। उनकी पुस्तक 703 दोहे वाली पुस्तक ''अरुण सतसई'' का विद्वानों के बीच बहुत सम्मान हुआ है। अभी हाल में उनके गीत और गजल की एक पुस्तक प्रकाशित हुई है जिसका नाम है ''मैं तुम्हारे साथ भी हूँ मैं तुम्हारे पास भी हूँ''।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत मातृभाषा को स्थापित करने में आचार्य श्री का योगदान महत्वपूर्ण है। उनका मानना है कि हिंदी को वैश्विक भाषा के रूप में स्थापित होना चाहिए और उसमे पहले अभी भी बहुत सारे क्षेत्र है जिसमें हिंदी का प्रवेश आवश्यक है विशेष तौर पर चिकित्सा, विज्ञान, कृषि विज्ञान, गणित, प्रबंधन, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी, प्रशासन, विधि, न्याय इत्यादि। इसके साथ ही हिंदी में हमारा स्वाभिमान जागृत होना चाहिए। हिंदी बोलना, हिंदी में लिखना, हिंदी में प्रकाशित करना हमारे स्वाभिमान का प्रतीक होना चाहिए न कि हीन भावना का। उनका मानना है कि बढ़ते हुए बाजार को देखते हुए भी जो हिंदी भाषा-भाषी क्षेत्र में हिंदी को उपयोगिता स्वयं सिद्ध हो जाती है विश्व हिंदी सम्मेलन में सम्मिलित होने का उनका सपना बहुत पुराना है। जब द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन मारीशस में हुआ था तो उसकी रिपोर्ट उन्होंने बड़े ध्यान से पढ़ी थी। वह बताते हैं कि साप्ताहिक हिंदुस्तान अथवा धर्मयुग में वह रिपोर्ट छपी थी। उसमें वायुयान में कवि सम्मेलन का जिक्र हुआ था और शिवमंगल सिंह सुमन ने काव्य पाठ किया था कि ''आर्य देश की मानस पुत्री भगिनी मेरे ग्राम की याद बहुत आएगी मुझको धरती रामगुलाम की।''आचार्य श्री का यह सपना पूरा हुआ है। इसके लिए उन्होंने प्रदेश को महामहिम राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया है। जिन्होंने उनका नाम प्रस्तावित किया। साथ ही राष्ट्रीय समाज विज्ञान के संरक्षक माननीय श्री पी.वी. कृष्ण भट्ट जी के प्रति भी आभार प्रकट किया है और सबसे अधिक भारत सरकार के विदेश मंत्री श्री वी. मुरलीधरण और प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार प्रकट किया है जिन्होंने उन्हें इस प्रतिनिधिमंडल में सम्मिलित होने और पूरे विश्वविद्यालय समाज का प्रतिनिधित्व करने अवसर प्रदान किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। इस अवसर पर इस वर्ष अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया । भारत सरकार द्वारा इस वर्ष का थीम ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेलबियिंग रखा गया है। विज्ञान दिवस के पूर्व 27 फरवरी को शोध पत्र प्रेजेन्टेशन रखा गया जो कि 4 ट्रेकः विज्ञान, जीव विज्ञान, कम्प्यूटेशनल विज्ञान एवं व्यवहारिक विज्ञान है इस हेतु युवा वैज्ञानिकों से 40 से अधिक शोध पत्र प्राप्त हुये। शोध पत्रों का वाचन 4 सत्रों में किया गया ।

28 फरवरी विज्ञान दिवस के दिन मुख्य कार्यक्रम अपरान्ह 12:00 बजे विश्वविद्यालय के सभागार में रखा गया । जिसमें मुख्य रूप से भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन के अध्यक्ष प्रो. विजय लक्ष्मी, कोषाध्यक्ष डॉ. शिव सत्य प्रकाश तथा संगठन के पूर्व अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार सक्सेना अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालयके कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी करेंगे। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन तथा

छ.ग. विज्ञान एवं तकनीकी परिषद रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष प्रयास से भारतीय विज्ञान कांग्रेस संगठन के बिलासपुर चेप्टर का गठन किया गया है। जिसका शुभारंभ भी इस अवसर पर किया गया । संगठन के कुल 29 चेप्टर पूरे भारत में है जिसमें से बिलासपुर चेप्टर भी एक चेप्टर के रूप में संचालित होगा तथा इसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन समय–समय पर किया गया ।विज्ञान दिवस के दिन ही विज्ञान एंव तकनीक से संबंधित वृहद प्रदर्शनी का

आयोजन भी दो ट्रेक विज्ञान एवं तकनीक के रूप में किया गया ।स्वागत भाषण इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के सचिव और बिलासपुर चेप्टर के संयोजक डॉ लतिका भाटिया ने किया। मुख्य अतिथि इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ विजय लक्ष्मी सक्सेना ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन सी वीं रमन के जन्म दिवस पर विज्ञान के क्षेत्र में जागरूकता लाने और

विज्ञान का उपयोग मानव समाज के कल्याण हेतु करने के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि आदि काल से ही भारतीय समाज का मूल मंत्र वैश्विक विज्ञान वैश्विक भलाई के लिए रहा है। उदाहरण के लिए भारत ने कोरोना वैक्सीन का निर्माण केवल भारतीयों के लिए नहीं किया अपितु सम्पूर्ण विश्व के लिए किया। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अशोक सक्सेना जी ने अपने उद्बोधन में इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के प्रारंभ से लेकर वर्तमान तक अधिवेशन और कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस संस्था के 60000 से अधिक सदस्य हैं। इस संस्था के अंतर्गत 29 चेप्टर कार्य कर रही है। आज बिलासपुर चेप्टर का शुभारंभ हो रहा है नाम भले ही बिलासपुर है परन्तु इसका कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ प्रदेश रहेगा। विशिष्ट अतिथि डॉ एच पी तिवारी पूर्व अध्यक्ष इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन ने अपने उद्बोधन में कहा कि तार्किक ढंग से किसी समस्या का निदान करना ही वैज्ञानिक सोच है। मुझे विश्वास है कि बिलासपुर चेप्टर इस क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान में बेहतर कार्य करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेई जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए ऐतिहासिक महत्व का है। पश्चिमी देशों और

भारतीय समाज के विज्ञान के उद्देश्य में मूलभूत अंतर है पश्चिमी देशों का विज्ञान का उद्देश्य प्रकृति पर विजय कैसे प्राप्त करें और भारतीय समाज में विज्ञान का उद्देश्य प्रकृति के साथ कैसे मिलकर समाज का लाभ करें है। कार्यक्रम के दौरान बिलासपुर चेप्टर का शुभारंभ किया गया साथ ही डॉ एच एस होता और लतिका भाटिया के पुस्तकों का विमोचन किया गया

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन हुआ। इस समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ विजय लक्ष्मी सक्सेना अध्यक्ष इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन और विशिष्ट अतिथि डॉ वी जी सिंह कुलपति सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर और डॉ आर पी दुबे सीवी ंरमन विश्वविद्यालय कोटा बिलासपुर थे। मुख्य वक्ता डॉ पीयूष श्रीवास्तव सर्जन मेडिकल कॉलेज रीवा मध्यप्रदेश थे और कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेई जी ने किया। अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर मे ंदिनांक 01ध03ध2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन हुआ। इस समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ विजय लक्ष्मी सक्सेना अध्यक्ष इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन और विशिष्ट अतिथि डॉ वी जी सिंह कुलपति सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर और डॉ आर पी दुबे सीवी ंरमन विश्वविद्यालय कोटा बिलासपुर थे। मुख्य वक्ता डॉ पीयूष श्रीवास्तव सर्जन मेडिकल कॉलेज रीवा मध्यप्रदेश थे और कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेई जी ने किया। सर्वप्रथम अतिथियों ने मां सरस्वती को दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वागत भाषण देते हुए डॉ एच एस होता ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा रखी ंऔर विभिन्न कार्यक्रम की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ विजय लक्ष्मी सक्सेना ने विज्ञान के आधुनिक समाज में महत्व को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता डॉ पीयूष श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में धर्म और विज्ञान दोनों को मानव समाज का अभिन्न अंग मानते हुए दोनों को मानव विकास और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण माना। अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेई जी ने अपने उद्बोधन में विज्ञान मांडल प्रदर्शनी, शोध पत्र प्रस्तुति पर प्रतिभागी सम्मिलित होने पर बधाई दिया साथ ही उन्हे ंविज्ञान के क्षेत्र में शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ विजय लक्ष्मी सक्सेना जी ने विभिन्न विधाओं में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया तथा प्रत्येक महाविद्यालय से श्रेष्ठ पांच प्रतिभागी को कोलकाता आमंत्रित किया।

अंर्तरा" टीय महिला दिवस

वि"वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह, 28 मार्च 2023 को कुलाधिपति श्री वि" वभुशण हरिचंदन, माननीय राज्यपाल(छ.ग.) राज्य की गरिमामय उपस्थिति में सफलतापुर्वक संपन्न हुआ। वि.वि. द्वारा 58 स्वर्ण पदक, 27 दानदाताओं के पदक तथा 07 नंदकुमार पटेल वि.वि. के स्वर्ण पदक प्रदान किये गए।

कुलपति माननीय अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी द्वारा इस दीक्षांत में 10 वॉ स्थान अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर उपाधि प्रदान कर सम्मानित किए जाने का नवाचार वि.वि द्वारा प्रारंभ किया गया।

इस

गौरवमयी समारोह के मुख्य अतिथी महामहिम कमले” ा भा” ा प्रका” ा, फिजी गणराज्य के भारत में उच्चायुक्त रहें। श्री रजनी” ा सिंह जी वि” ाश्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस उपलक्ष्य में डॉ पुश्पा दीक्षांत को डी–लिट् की उपाधि प्रदान की गई। मुख्य अतिथी महामहिम कमले” ा भा” ा प्रका” ा जी को विद्या वाचस्पति की मानक उपाधि से सम्मानित किया गया। वि” वविद्यालय के लिए यह गौरव का विशय है कि विद्या वाचस्पति की उपाधियॉ गणित एवं अंग्रजी विशय में प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और महामहिम राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की इस मौके पर सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए तो वही संस्कृत के क्षेत्र में कार्य करने वाली प्रोफेसर डॉ पुष्पा दीक्षित को भी यहां उपाधि देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल और अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय के कुलाधिपति विश्व भूषण हरिचंदन ने कहा कि आज के दौर में कई चुनौतियां विद्यार्थियों के सामने हैं जिससे उन्हें अधिक मेहनत संघर्ष और चुनौतियों का सामना करने के बाद ही सफलता हासिल होती है ऐसे में विद्यार्थी अपने ज्ञान के माध्यम से जीवन में एक अहम रोल अदा कर सकते हैं जिसके माध्यम से वे एक बेहतर जिंदगी की बुनियाद भी खड़ी करते हैं। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल फिजी गणराज्य में भारत के उच्चायुक्त कमलेश शशि प्रकाश ने कहा कि विश्वविद्यालयों का विजन है कि उच्च शिक्षा में बेहतर उपलब्धि हासिल हो इसके लिए विश्व स्तर की सुविधाएं और क्वालिटी एजुकेशन पर पिछले कुछ समय से जोड़ दिया जा रहा है यह परिकल्पना स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की थी जिसे अब लगातार पूरा करने की कोशिश हो रही है यही

वजह है कि पिछले कुछ समय में एकेडमी टीचिंग और रिसर्च के क्षेत्र में एडवांस टेक्नोलॉजी विश्व भर में पहुंची है इसके अलावा खेल और अन्य प्रोग्राम के माध्यम से भी उद्योगों में इंस्टिट्यूशन की पैठ बढ़ी है। दीक्षांत समारोह के संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेई ने बताया कि पिछले कुछ समय में विश्वविद्यालय के द्वारा कई नई उपलब्धियां हासिल की गई है तो वहीं कई नए कार्यक्रम इस दीक्षांत समारोह में आयोजित किए जा रहे हैं तो वही मेडल पाने वाले सभी विद्यार्थियों ने भी अपने इस लम्हे को जीवनकाल में स्वर्णिम बताते हुए कहा कि यहां जीवन में कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर भी सम्मानित किया गया इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक अधिकारी कर्मचारी के अलावा विद्या और कार्य परिषद के सदस्य के साथ विद्यार्थियों के अभिभावक मौजूद रहे ।

राश्ट्रीय सेवा योजना (बालक एवं बालिका इकाई)
वि"वविद्यालय ि"ाक्षण विभाग

नेताजी सुभाश चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर व्याख्यान माला का आयोजन

23 जनवरी, 2023 को खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी विभाग एवं राश्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में नेताजी सुभाश चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर वि" वविद्यालय के चतुर्थ तल स्थित केन्द्रीय सभागार में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एस.डी.झा, प्राध्यापक नलिनी प्रभा महाविद्यालय, बिलासपुर सम्मिलित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वि" वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य ए.डी.एन. वाजपेयी जी के द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त राश्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवकों द्वारा सीपत चौक स्थित नेताजी सुभाश चन्द्र बोस के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

राश्ट्रीय मतदाता दिवस

25 जनवरी, 2023 को वि" वविद्यालय के केन्द्रीय सभागार में राश्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में जनजागरूकता एवं भापथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर राश्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा ने उपस्थित छात्र–छात्राओं को मतदान के महत्व के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी श्री गौरव साहू, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुमोना भट्टाचार्य एवं ि" ाक्षण विभाग के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

13 फरवरी, 2023 को महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्रीमती सरोजनी नायडू जी के जन्मजयंती पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें ि" ाक्षण विभाग के विभिन्न संकायों में अध्ययन कर रहे छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। 21 मार्च, 2023 को वि" व वानिकी दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया तथा वन एवं पर्यावरण के संरक्षण को चित्रकला के माध्यम से प्रदि" ात किया।

आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व वानिकी दिवस

पर्यावरण के प्रति युवाओं को जागृत करना आवश्यक

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
loksswar.in

बिलासपुर। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग में आज 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के विभिन्न संकाय से लगभग 56 छात्र - छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा ने कहा कि किस प्रकार विश्वविद्यालय को पेड़-पौधों से हरा-भरा रखें, इसके लिए विश्वविद्यालय के छात्र - छात्राएं अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। गौरव साहू, कार्यक्रम अधिकारी (बालक इकाई), राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने उद्बोधन में कहा कि- वन एवं पर्यावरण के संरक्षण के प्रति युवाओं को जागृत करना नितांत आवश्यक है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ही था कि युवा पौधे तो लगाये ही साथ ही भविष्य में उसे कैसे सुरक्षित रखा जाये, इस दिशा में भी ध्यान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. सुमोना भट्टाचार्य, कार्यक्रम अधिकारी (बालिका इकाई), राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने वक्तव्य में कहा कि वन एवं प्रकृति के संरक्षण हेतु हम सभी को अपना उत्तरदायित्व का बोध होना अत्यंत आवश्यक है।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. पूजा पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, यशवंत कुमार पटेल, विभागाध्यक्ष, खाद्य प्रसंस्करण विभाग, जीतेन्द्र कुमार, सहा. प्राध्यापक, कम्प्यूटर विभाग, डॉ. महेन्द्र मेहता, सुषमा तिवारी, सौम्या तिवारी, सौरभ पाण्डेय, सत्यम तिवारी, मोनिका पाठक एवं छात्र-छात्राएं मुख्य रूप से सम्मिलित हुए।

दिनांक 22 मार्च, 2023 को वि" व जल दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र–छात्राओं ने पेंटिंग माध्यम से जल संरक्षण का संदे" ा दिया।

राश्ट्रीय सेवा योजना

प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम 2023

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन भारत सरकार का प्रमुख आयोजन है जो प्रवासी भारतीयों के साथ संपर्क करने और जुड़ने और प्रवासी भारतीय को एक दूसरे के साथ बातचीत करने में सक्षम बनान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। मध्य प्रदे" ा सरकार के सहयोग से 17वां प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम का आयोजन **दिनांक 07 से 08 जनवरी, 2023 तक मध्य प्रदे"ा के जिन्जर, एबी रोड भानिवार दर्पण के पास, छोटी खजरानी इंदौर म.प्र.** में आयोजित किया गया जिसका थीम ''प्रवासीःअमृत काल में भारत की प्रगति के लिए वि" वसनीय भागीदार'' था। इस कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी वि" वविद्यालय,बिलासपुर से कु. पूजा जायसवाल– एलसीआईटी कामर्स एवं साइंस कालेज बिलासपुर तथा मनीश सिंह ठाकुर– डॉ. जे.पी.मिश्र साइंस महाविद्यालय,मुंगेली ने सहभागिता किया।

राष्ट्रीय युवा उत्सव

स्वामी विवेकानंदी की जयंती को प्रत्येक वर्श 12 जनवरी को राश्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। दिनांक 12 से 16 जनवरी, 2023 – 26 वें राष्ट्रीय युवा उत्सव, 2023 हुबली, धारवाड़ (कर्नाटक) मेंस्वामी विवेकानंद की जयंती पर मनाए जाने वाले राश्ट्रीय युवा दिवस पर उनके आद" र्गों, f" ाक्षाओं और योगदानों को सम्मान देने और संजोने के लिए आयोजित किया गया। जिसमें अटल बिहारी वाजपेयी वि" वविद्यालय, बिलासपुर से कु.रंजना जायसी–" ाास.पाताले" वर महाविद्यालय, मस्तुरी, वेद प्रका" ा निशाद– भाास. ईरारा विज्ञान महाविद्यालय, बिलासपुर ने सहभागिता किया।

राश्ट्रीय युवा दिवस (दिनांक 12.01.2023)

चिंतन एवं मनन करने से श्रेष्ठ व्यक्तित्व का निर्माण किया जा सकता हैः नंद

बिलासपुर(नईदुनिया न्यूज)। अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय में विवेकानंद जयंती पर राष्ट्रीय सेवा योजना, विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग तथा वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग की ओर से सहयोगी युवा विषय पर परिसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामकृष्ण मठ एवं रामकृष्ण मिशन के स्वामी चिदविलासा नंद थे। अध्यक्षता कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेई ने की। इस दौरान रासेयो समन्वयक डा. मनोज सिन्हा ने स्वामी विवेकानंद के छत्तीसगढ़ और रायपुर आगमन व उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं मुख्य अतिथि स्वामी चिदविलासा नंद ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों को पढ़ने, चिंतन एवं मनन करने से श्रेष्ठ व्यक्तित्व का निर्माण किया जा सकता है। वहीं कुलपति ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने सम्पूर्ण जीवन को भारतीय संस्कृति के उत्थान में लगा दिया। वे नर सेवा को नारायण सेवा मानते थे। उनके सपनों का भारत जाति, वर्ण से परे था। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डा. महेंद्र मेहता तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव शैलेंद्र दुबे ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपकुलसचिव नेहा यादव, उपकुलसचिव नेहा राठिया, सहायक कुलसचिव फखरूद्दीन कुरेशी, सहायक कुलसचिव रामेश्वर राठौर, परीक्षा नियंत्रक डा. पीके पांडेय, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. एच एस होता, डा. गौरव साहू, डा. यशवंत पटेल, डा. पूजा पांडेय आदि मौजूद थे।

अटल बिहारी वाजपेयी वि" वविद्यालय,बिलासपुर के केन्द्रीय सभागार में राश्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर सहयोगी युवा विशय पर परिसंवाद का आयोजन किया गया। डॉ. मनोज सिन्हा कार्यक्रम समन्वयक रासेयो द्वारा मुख्य अतिथि सन्यासी रामकृश्ण मठ एवं रामकृश्ण मि" ान बिलासपुर के परमआदरणीय चिद् विलासानंद जी, वि" वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य ए. डी.एन. वाजपेयी जी,समस्त प्राध्यापकगण, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र,छात्राओं का स्वागत किया गया। स्वागत भाशण के दौरान स्वामी विवेकानंद जी के जन्म, उनके अध्यात्मिक यात्रा, रायपुर के दुधाधारी मठ, जेठू साहू मठ, महामाया मंदिर में होने वाले धार्मिक आयोजन में भाग लेने संबंधी तथा उनके विचारों तथा योगदान पर प्रका" ा डालते हुए विवेकानंद जी के दिये गये सनमार्ग पर चलने के लिए कहा । उन्होंने छात्र,छात्राओं तथा स्वयंसेवकों से उदाहरण देते हुए अपील करते हुए कहा कि जरूरत मंद लोगों की स्वास्थ्य, न" ाा के रोकथाम, पर्यावरण के संरक्षण, रोजगार के संबंधित कार्यो में लोगों का सहयोग करें।

कार्याक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में पधारे चिद् विलासानंद जी ने कहा कि स्वामी विवेकानदं के वचारों को पढ़ने , चिंतन एवं मनन करने से श्रेश्ठ व्यक्तित्व का निर्माण किया जा सकता है। वि" वविद्यालय के माननीय कुलपति ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने अपने सम्पूर्ण जीवन को भारतीय संस्कृति के उत्थान में लगा दिया । वे नर सेवा को नारायण सेवा मानते थे। उनके सपनों का भारत जाति, वर्ण से परे था। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. महेन्द्र मेहता तथा धन्वाद ज्ञापन कुलसचिव श्री भौलेन्द्र दुबे ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपकुलसचिव नेहा यादव, नेहा राठिया, सहायक कुलसचिव फखरूद्दीन कुरै" ाी, श्री रामे" वर राठौर, परीक्षा नियंत्रक डॉ.पी.के.पाण्डेय, अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ.एच.एस.होता, गौरव साहू, डॉ. सुमोना भट्टाचार्य, डॉ. पूजा पाण्डेय एवं छात्र छात्राऍ उपस्थित रहे।

वि"ााल रक्तदान एवं रक्त जांच f"ाविर का आयोजन

अटल बिहारी वाजपेयी वि" वविद्यालय से संबंद्ध भाासकीय महाविद्यालय करतला में यूथ रेड क्रास सोसाईटी एवं राश्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला के सहयोग से वि" ााल रक्तदान f" ाविर तथा ब्लड ग्रुप एवं एचबी परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला के बीएमओ डॉ. राके" ा पटेल के निर्दे" ान में 116 छात्र,छात्राओं का ब्लड ग्रुप एवं एचबी परीक्षण किया गया एवं महाविद्यालय के 05 स्टाफ एवं 29 छात्र,छात्राओं द्वारा रक्तदान किया ।

शासकीय महाविद्यालय करतला एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

राजधानी से जनता तक

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला

राश्ट्रीय एकता f"ाविर

लोक सदन

राष्ट्रीय एकता शिविर में जिले का मान बढ़ाया धनेश्वरी

कोरबा, 21 फरवरी 2023

@ loksadan.com

दिनांक 14 फरवरी, से 20 फरवरी, 2023 तक महर्शि मार्कडे" वर वि.वि.मुलाना अंबाला (हरियाणा) में राश्ट्रीय एकता f" ाविर का आयोजन हुआ जिसमें अटल बिहारी वाजपेयी वि" वविद्यालय,बिलासपुर से सुखराज सिंह, जय बुढ़ादेव महा. कटघोरा, जय बंसल, जे.एम.पी.महाविद्यालय,तखतपुर, भानिदेव खुंटे, के.एन.महाविद्यालय,कोरबा, दुर्गे" ा पटेल जे.पी.वर्मा महा.बिलासपुर, धने" वरी राजवाड़े भास.मुकुटधर पाण्डेय महा. कटघोरा, चन्द्रमुखी पाण्डेय श्री अग्रसेन कन्या महा.कोरबा, साक्षी श्रीवास्तव भास.बिलासा कन्या महा.बिलासपुर, अंजली खुंटे सी.एम.डी.महाविद्यालय,बिलासपुर ने सहभागिता किया। **राश्ट्रीय एकता f"ाविर दिनांक 10 फरवरी से 16 फरवरी, 2023 तक सरदार पटेल वि"वविद्यालय वल्लभ विद्यानगर, आनंद (गुजरात) में** आयोजित है। जिसमें आबंटन अनुसार अटल बिहारी वाजपेयी वि" वविद्यालय, बिलासपुर से मोहन वैश्णव, भास. निरंजन के" ारवानी महाविद्यालय कोटा एवं अर्पिता घ्तलहरे संत गुरूघासीदास महाविद्यालय, पचपेड़ी ने सहभागिता किया।

राश्ट्रीय एकता f" ाविर दिनांक 18 मार्च से 24 मार्च, 2023 तक गुरू घासीदास केन्द्रीय वि" वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) में अटल बिहारी वाजपेयी वि" वविद्यालय के यूपनारायण यादव, चन्द्रभारत भूशण सिंह राजपूत, कु. प्रिया जायसवाल, कु. स्वेता, कु. सरोज मरकाम, कु. वंदना मानिकपुरी, कु. श्रुति साहू एवं अखिल भार्मा ने रासेयो स्वयं सेवकों की सहभागिता किया।

राज्य स्तरीय सात दिवसीय वि"ोश f"ाविर

राज्य स्तरीय सात दिवसीय वि"ोश f"ाविर दिनांक 28 जनवरी, 2023 से 03 फरवरी, 2023 तक कृशणा महाविद्यालय, खम्हरिया जिला दुर्ग छ.ग. मेंआयोजित हुआ जिसमें अटल बिहारी वाजपेयी वि" वविद्यालय, बिलासपुर से 15 छात्र, 15 छात्रा एवं 02 कार्यक्रम अधिकारी सहभागिता किया। इस f" ाविर में स्वच्छता, श्रमदान से निर्माण, जनजागरूकता रैली सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सहभागिता करने वाले छात्र,छात्राओं का नाम निम्नानुसार हैः–

कु.कामिनी भयाम, कु. आरती देवांगन, कु. गौरी खाण्डे, कु. करीना नवरंग कु. मनीशा साहू, कु. प्रियंका सोनी, कु.प्रियंका साहू, कु. उर्मिला प्रजापति, कु.कुसुम पोर्ते, कु. सुमन लता यादव, कु. ज्योति सारथी, कु. रेखा नेताम, कु. सिमरन बहादुर रजक , कु. वंदना मानिकपुरी, कु. प्रतिभा, अमित कुमार नवरत्न, दीपक कुमार साहू, गौतम डहरिया , अविना" ा साहू , सौरभ वैष्णव, मनीष कुमार साहू, वि" ोश कुमार , अजय कुमार, गौकरण ध्रुव, सुजीत कुमार, केदारनाथ साहू, f" ावदास मानिकपुरी, कु. करीना नवरंग, हिमे" ा कुमार अनंत, सुमीत कौं" ाक, आ" ाीश सूर्यवं" ाी ने सहभागिता किया।

मतदाता दिवस

दिनांक 25 जनवरी 2023

अटल बिहारी वाजपेयी वि" वविद्यालय, बिलासपुर से संबंध रासेयो विद्यालय एवं महाविद्यालयों में 25 जनवरी 2023 को मतदाता दिवस मनाया गया। राश्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा छात्र,छात्राओं को मतदान के महत्व, मतदान देने के अधिकार एवं बिना प्रलोभन के मतदान करना इत्यादि के बारे मे बतलाया गया तथा मतदान दिवस पर मतदान करने की भापथ दिलाया गया तथा रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया।

परीक्षा पे चर्चा

दिनांक 27.01.2023

अटल बिहारी वाजपेयी वि" वविद्यालय,बिलासपुर से संबंद्ध रासेयो विद्यालय एवं महाविद्यालयों में दिनांक 27.01.2023 को प्रातः 11.00 बजे माननीय प्रधानमंत्रीजी द्वारा दे" ा के छात्र,छात्राओं, f" ाक्षकों एवं अभिभावकों से परीक्षा पे चर्चा किया गया, जिसमें वि" वविद्यालय से संबंद्ध 161 विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 14690 छात्र, छात्राओं, f" ाक्षकों द्वारा इस कार्यक्रम को देखा गया। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए बहुत उपयोगी रहा। आने वाले बोर्ड एक्जाम एवं वि" वविद्यालयीन परीक्षा की तैयारी में आपके मार्गद" ान से विद्यार्थियों को मार्गद" ान मिलेगा। इस पहल से परीक्षार्थियों का तनाव कम हुआ। माननीय प्रधानमंत्री जी ने अच्छा प्रद" ान करने के लिए भी टिप्स दिये। नि" चत रूप से इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी में मदद मिलेगी और इस कार्यक्रम से विद्यार्थी, f" ाक्षक एवं माता पिता लाभान्वित हुए।

राश्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार

राज्य स्तरीय स्टेट कैंप दुर्ग में अटल बिहारी वाजपेयी वि.वि.के संबंद्ध रासेयो विद्यालय एवं महाविद्यालय के स्वयंसेवक को राज्य एनएसएस पुरस्कार निम्न स्वयंसेवकों को प्रदान किया गयाः–

(प) स्वयंसेवक स्तर (महाविद्यालय) **पर तरूण कुमार लहरे , डी.एल.एस महाविद्यालय,बिलासपुर** को श्रेष्ठ स्वयंसेवक के रूप में राज्य स्तरीय पुरस्कार राशि रू. 10,000/– नगद एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

(पप) स्वयंसेवक स्तर (महाविद्यालय) पर **जयप्रका"ा पटेल, कमला नेहरू महाविद्यालय,कोरबा** को श्रेष्ठ स्वयंसेवक के रूप में राज्य स्तरीय पुरस्कार राशि रू. 10,000/– नगद एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

(पपप) स्वयंसेवक स्तर (विद्यालय) पर **कु.पदमणी कंवर , भाास.उ.मा. विद्यालय, लाफा पाली** को श्रेष्ठ स्वयंसेवक के रूप में राज्य स्तरीय पुरस्कार राशि रू. 10,000/– नगद एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

यूथ20 (ल्20) का आयोजन
25 फरवरी,2023 आईआईएम रायपुर

जी–20 के अंतर्गत युवाओं को विभिन्न विशयों पर अपने दृश्टिकोण साझा करने तथा स्वतंत्र रूप से अपने विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए जी–20 के माध्यम से एक स" ाक्त मंच प्रदान किया गया है। अटल बिहारी वाजपेयी वि" वविद्यालय,बिलासपुर के रासेयो द्वारा 16–17 फरवरी, 2023 को बिलासपुर, कोरबा, मुंगेली जिले के महाविद्यालयीन छात्र,छात्राओं का जिला स्तरीय विविध विशयों पर भाशण, वाद–विवाद, निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें चयनित कु. विभां" ा अवस्थी, वेद प्रका" ा निशाद, कु. निमिशा सोनी, कु. र" म ठाकुर, भाा" वत भार्मा, साहिल पाटले, सुमित कुमार, देवन्तिका, चमन पटेल, सुभाश पाल, करीना डहरिया, कु. हेमलता साहू , सुशमा मिरी एवं कु. निकिता पटेल ने आई आई एम रायपुर में दिनांक 25.02.2023 को आयोजित राज्य स्तरीय समिट कार्यक्रम में राश्ट्रीय/वै" वक मुददो पर अपना विचार प्रस्तुत किया। वेद प्रका" ा निशाद ने माननीय मंत्रीजी से वार्ता भी किया वार्ता के दौरान उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ वनों प्राकृतिक संपदा से हरा भरा है। छत्तीसगढ़ को राज्य बना 22 वर्श हो चुका है लेकिन यहॉ के युवाओं का कला–कौ" ाल के बावजूद उनका विकास नहीं हो रहा है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्र" ास्ति पत्र प्रदान किया गया।

खेल–कूद

अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालयीन कराटे (महिला–पुरूष) प्रतियोगिता 2023

बिलासपुर के स्व. बी. आर. यादव स्टेडियम, बहतराई स्टेडियम में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के बैनर तले आयोजित अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालयीन कराटे (महिला–पुरूष) प्रतियोगिता 2023 का समापन किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्रो. एल.पी.पटेरिया, माननीय कुलपति शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव, माननीय कुलपति शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, अतिविशिष्ट अतिथि प्रो. एस. एल. निराला, प्राचार्य जे.पी.वर्मा बिलासपुर के साथ कार्यक्रम के अध्यक्ष आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी माननीय कुलपति अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, आयोजन सचिव श्री सौमित्र तिवारी, प्रतियोगिता संचालक डॉ. अजय सिंह,

वरिष्ठ खेल अधिकारी डॉ. बसंत अंचल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तवय में विश्वविद्यालय के आयोजन पर विश्वविद्यालय और समस्त जुडे|

दैनिक भास्कर बिलासपुर आंचलिक 20-01-2023

दैनिक भास्कर बिलासपुर

उपलब्धि • कुमिते में बिलासपुर के मुकेश, शिवम व सुगम खेलो इंडिया के लिए किए क्वालीफाई

एयू के शुभम ने अंडर-60 किलोग्राम कुमिते में जीता छत्तीसगढ़ के लिए पहला स्वर्ण पदक

फाइनल मुकाबले में बीएचयू के रौशन को 8-0 से हराया

खेल में योजना, एकाग्रता व अभ्यास की जरूरत होती है: वाजपेयी

अखिल भारतीय कराते का पहली बार आयोजन होना गर्व की बात: पांडेय

व्यक्तित्व के विकास में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका: साव

सहयोगियों को धन्यवाद और शुभकामनाएं प्रेषित की और खेल भावना समाज में एकजुटता का संदेश देती है। शारीरिक विकास के साथ ही लक्ष्य को केंद्रित रखकर खेलना मानसिक विकास के लिए फायदेमंद होता है। विशिष्ट अतिथि ने अपने उद्बोधन में जै–जोहर और हमर पारा तुहर पारा कहकर हमारा प्रदेश आप का प्रदेश तर्क से मैदान में उपस्थित सभी खिलाड़ी और दर्शको का आकर्षित किया और विश्वविद्यालय को शुभकामनाएँ प्रेषित की। कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने अपने उद्बोधन में की हम इस कार्यकाक्रम को सम्पन्न कर रहे है समापन नहीं कर रहे है उन्होने 188 विश्वविद्यालय के 290 टीमों को शुभकामनाएँ प्रेषित की और स्पोर्टस मैन की भावना की बात के साथ भविष्य में कराटे कराने की विचार और तैयारियों की बात कही। माननीय कुलपति महोदय ने शहीद नंदकुमार पटेल और महेंद्रकर्मा जी को सच्ची श्रद्धांजली दोनों ही विश्वविद्यालय के कुलपतियों की उपस्थिति को भावित किया और उन्हे नमन किया। आयोजन सचिव श्री सौमित तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन में मंच पर उपस्थित सभी कुलपतियों को आभार प्रस्तुत किया के साथ आयोजन से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद दिया। और खेले गये मैच के बारे में बताया की अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय से क्रमशः कुल 06 खिलाड़ियों ने मैडल प्राप्त किया शुभम निषाद, गोल्ड मैडल, कुमीते पुरूष –60 किलो ग्राम,कुसुम ध्रुव, ब्रांज मैडल, कुमीते महिला –55 किलो ग्राम,सुगम निषाद, सिल्वर मैडल, कुमीते पुरूष –67 किलो ग्राम,फिजा बानो, सिल्वर मैडल, कुमीते महिला + 68 किलो ग्रामइसके साथ ही टीम काता में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के तीन खिलाड़ी खुशबु भास्कर, लखेश्वरी अनंत, और सुषमा आनंद ने ब्रांज मैडल प्राप्त किया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय से अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी वर्ग के साथ सभी महाविद्यालय से क्रीड़ाधिकारी, प्रदेश के पत्रकार बंधु, एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।22 जनवरी 2023, अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालयीन कराटे (महिला–पुरूष) प्रतियोगिता 2023 के अंतिम दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिस्पर्धा में प्राप्त विश्वविद्यालयों के श्रेणीयों की घोषणा की गई।

इस अवसर पर प्रतिभागीयों में भारी उत्साह और हर्ष के माहौल के मध्य कार्यक्रम आयोजित हुआ । उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के माननीय प्रभारी कुलपति, डॉ. एच.एस. होता, आयोजन सचिव श्री सौमित्र तिवारी, प्रतियोगिता संचालक डॉ. अजय सिंह, वरिष्ठ खेल अधिकारी डॉ. बसंत अंचल, कराटे फेड्रेशन सचिव श्री अविनाश सेट्टी उपस्थित रहे। आयोजन सचिव श्री सौमित तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन में मंच पर उपस्थित अतिथियों के साथ आयोजन से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद दिया। और खेले गये मैचों पर सारगर्भित विवरण प्रस्तुत किया जिसमें – म्हिला ओवर आफ परिणाम में प्रथम स्थान पर यूनिवर्सिटी आफ कालीकट, द्वितीय स्थान पर गुरू काशी विश्वविद्यालय एवं तृतीय स्थान पर यूनिवर्सिटी आफ मैसूर को प्राप्त हुआ। सभी स्थान प्राप्त विश्वविद्यालयों को मुख्य अतिथि एवं क्रीड़ाधिकारीयों के द्वारा ट्राफी प्रदान की गई। इसके साथ ही अबतक के हुए मैचों के परिणाम निम्नवत् है

नवभारत Bilaspur City - 21 Jan 2023 - 21nya03 epaper.navabharat.news

इंटर यूनिवर्सिटी कराते प्रतियोगिता चल रही बहतराई स्टेडियम में

अंतर विश्वविद्यालयीन कराते स्पर्धा में मेजबान टीम के शुभम को गोल्ड मेडल

नवभारत रिपोर्टर। बिलासपुर।

क	खेल	विजेता प्रथम (स्वर्ण पदक)	विजेता द्वितीय (रजत पदक)	विजेता तृतीय (कांस्य पदक)
01	बालक एकल कुमीते – 50 किलो ग्राम	गुरू जागेश्वर विश्वविद्यालय के श्री सागर	एलएनसीटी विश्वविद्यालय के श्री प्रिंस सोलांकी	पंजाब विश्वविद्यालय से श्री शिवंम जीवाजी विश्वविद्यालय के अजरूद्दीन खान

02	बालक एकल कुमीते –55 किलो ग्राम	पंजाब विश्वविद्यालय के श्री रजत कश्यप	आरटीएमएन विश्वविद्यालय के श्री एलीयास रहीम	पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय के मोहन श्रेष्ठ और जीएनडीयू के मनप्रीत सिंह
03	बालक एकल कुमीते –60 किलो ग्राम	अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के श्री शुभम निषाद	बीएचयू के श्री रोशन मौर्य	गोढ़वाना विश्वविद्यालय से श्री अंकुश मोलेवर और जैन विश्वविद्यालय के अरविंद कौशिक संयुक्त रूप से
04	बालक एकल कुमीते –67 किलो ग्राम	गुरू जागेश्वर विश्वविद्यालय के श्री विनय	अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के श्री शुभम निषाद	जीवाजी विश्वविद्यालय से श्री रिषभ तोमर और डॉ. भीम राम अम्बेडकर विश्वविद्यालय के आकाश शुक्ला संयुक्त रूप
05	बालक एकल कुमीते –75 किलो ग्राम	पटना विश्वविद्यालय के मो. जबीर अंसारी	जैन विश्वविद्यालय के श्री तनमय व्ही.एस	एमजीकेव्हीपी विश्वविद्यालय से श्री सौरभ कुमार यादव और कुरूश्रेष्ठ विश्वविद्यालय के हर्षवर्धन संयुक्त रूप
06	बालक एकल कुमीते –84 किलो ग्राम	आरडीव्हीव्ही के श्री विशाल राय	जीएनडीयू के श्री नीरज शर्मा	पंजाब विश्वविद्यालय से श्री हर्ष चौहान और मैरूर विश्वविद्यालय के श्री प्रितम एम एस संयुक्त रूप
07	बालक एकल कुमीते +84 किलो ग्राम	भगत विश्वविद्यालय के श्री मयंक	गुरू जम्बेश्वर विश्वविद्यालय के श्री रोहित	एलएनआईपीई विश्वविद्यालय से श्री सोनवहीर राना और हिमालया विश्वविद्यालय के श्री जैकब फ्लेगो टैनियांग संयुक्त रूप
08	बालिक एकल कुमीते –45 किलो ग्राम	मैसूर विश्वविद्यालय के अश्वनी एस	राजीव गांधी विश्वविद्यालय के शांति सिकाम	चंडीगढ़ विश्वविद्यालय से प्रतिष्ठा और रज्जु भैय्या विश्वविद्यालय के शिवांशी कुशवाहा संयुक्त रूप से
09	बालिक एकल कुमीते –50 किलो ग्राम	पंजाबी विश्वविद्यालय के श्रुरूती शर्मा	कालीकट विश्वविद्यालय के फरशना पीपी	पंजाबी विश्वविद्यालय से मेहकदीप कौर और आरजीपीव्ही विश्वविद्यालय के हर्षा इंदुल्कर संयुक्त रूप
10	बालिक एकल कुमीते –55 किलो ग्राम	कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के अलीषा	एलएनसीटी विश्वविद्यालय के इशा माल्वी	अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय से कुसुम ध्रव और चौधरी रबिन्द्र सिंह विश्वविद्यालय के निशा को संयुक्त रूप से
11	बालिक एकल कुमीते –61 किलो ग्राम	सीसीएस हरियाणा विश्वविद्यालय के रिया मलिक	रबिन्द्र नाथ टैगौर विश्वविद्यालय के वैशाली रजग	कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय से खुशी और ओम स्टार्लिंग विश्वविद्यालय के वन्दना को संयुक्त रूप
12	बालिक एकल कुमीते –68 किलो ग्राम	पंजाब विश्वविद्यालय के इतिशा दास	गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के स्नेहा बंजारे	राजीव गांधी विश्वविद्यालय से याकी और जगरान लेकसिटी विश्वविद्यालय के गार्गी सिंह परिहार को संयुक्त रूप
13	बालिक एकल कुमीते +68 किलो ग्राम	पाटलीपुत्र विश्वविद्यालय पटना के अनन्या आनंद	अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय से फिजा बानो	गुरू जम्बेश्वर विश्वविद्यालय से आरूषी और मनिपाल विश्वविद्यालय के विदूशी कसनीय को संयुक्त रूप
14	बालिक एकल काता में	गुरूकाशी विश्वविद्यालय के मौसमी सिंह	जाधवपुर विश्वविद्यालय से दिव्यानी मण्डल	मैसूर विश्वविद्यालय से दिया एस उर्षी और कालीकट विश्वविद्यालय के फर्षना पीपी य को संयुक्त रूप

15	बालिक टीम काता में	कालीकट विश्वविद्यालय के एशवर्या, फर्षना पीपी, गायत्री	गुरू काशी विश्वविद्यालय से अर्पिता, निहातीका, योगीता	अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय से खुशबु, लखेश्वरी, सुषमा और लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के चेटर्नि रोज, हर्लिन प्रित, मनी भारती को संयुक्त रूप
16	बालिक टीम कुमीते	एमडीयू रोहतक विश्वविद्यालय के ज्योति, ममता, राजरानी सूरेखा	जीएनडीयू से बजिंदर कौर, बाबी शर्मा, हरप्रित कौर, शिवानी	राजीव गांधी विश्वविद्यालय भूमि, शांति, याकी, यामी और चौधरी रामवीर सिंह विश्वविद्यालय के दीपशिखा, किरन, नीशा, ज्योति को संयुक्त रूप से
17	बालक एकल काता में	गुरूकाशी विश्वविद्यालय के आबद संघडो	एलपीयू से रोशन यादव	जैन विश्वविद्यालय से सागर कुलकर्णी और गुरू गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के मधुर शर्मा को संयुक्त रूप से
18	बालक टीम काता में	बर्कतउल्लाह विश्वविद्यालय के चिराग पवार, राहुल शुक्ला, रक्षंस अमरवंशी	गोड़वाना विश्वविद्यालय से चेतन, किश्तीज, शुभम	महात्मा गांधी विश्वविद्यालय से अतुल, बिपीन, मो आसीफ और डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के अनंत, जित्तु, प्रांजल को संयुक्त रूप से

Indexing statement of MoU by & between :–

S.No.	***MoU By & Between***	***Active Department***	***Time Period***
01	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Consortium for Educational Communication (CEC), New Delhi	University Level	29 / 07 / 2020 to the consent of both the institutions
02	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** State Planning Commission, Chhattisgarh **FOR** Mutual Collaboration in furtherance of their Objectives	University Level	20 / 10 / 2020 to 19 / 10 / 2023
03	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** The Institute of Company Secretaries of India (ICSI)	University Level	15 / 09 / 2021 to 14 / 09 / 2026
04	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Himanchal Pradesh University, Shimla	University Level	09 / 11 / 2021 to 08 / 11 / 2026
05	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** South Asian Institute for advanced Research and Devlopment, Kolkata	University Level	27 / 12 / 2021 to 26 / 12 / 2026
06	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak, Madhya Pradesh.	University Level	15 / 02 / 2022 to 14 / 02 / 2027
07	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Jamia hamdard University	University Level	03 / 03 / 2022 to 02 / 03 / 2027
08	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** University of Science and Technology, Meghalaya	University Level	05 / 03 / 2022 to 04 / 03 / 2027

09	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Dr. Harishingh Gour University, Sagar (M.P.)	University Level	10 / 03 / 2022 to 09 / 03 / 2027
10	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Bilasa Kala Manch (C.G.)	University Level	04 / 04 / 2022 to 03 / 04 / 2025
11	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Learntoupgrade New-Delhi	University Level	15 / 03 / 2022 to 15 / 03 / 2027
12	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** AKS University, Satna, Madhya Pradesh	University Level	08 / 04 / 2022 to 07 / 04 / 2027
13	Atal Bihari Vajpayee Vishw-avidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Bundelkhand University jhasi (U.P)	University Level	07 / 03 / 2022 to 06 / 03 / 2027
14	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Bharati vidyapeeth (Deem ed to be University) Pune, Maharashtra	University Level	05 / 04 / 2022 to 04 / 04 / 2027
15	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** N S Patel Arts (Autonomous) College Anand, Gujarat	University Level	20 / 04 / 2022 to 19 / 04 / 2027
16	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Rani Durgavati Vishwavidyalaya, Jabalpur, Madhyapradesh	University Level	26 / 04 / 2022 to 25 / 04 / 2027
17	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** B.INCUBE-INCUBATION CENTER BILASPUR, CHHATTISGARH	University Level	12 / 05 / 2022 to 11 / 05 / 2024
18	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Nehru Gram Bharati (Deemed to be University) Kotwa-Jamunipur, Dubawal, Prayagraj (U.P.)	University Level	02 / 05 / 2022 to 01 / 05 / 2027
19	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Lovely Professional University, phagwara, Panjab	University Level	21 / 04 / 2022 to 20 / 04 / 2027
20	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Dr. C.V. Raman University, Kargi road Kota, Bilaspur (C.G.)	University Level	08 / 06 / 2022 tò 07 / 06 / 2027
21	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** The Maharaja sayajirao University of baroda, Vadodara, Gujarat	University Level	04 / 06 / 2022 to 03 / 06 / 2027
22	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Pandit S.N. Shukla University, Shahdol, Madhya Pradesh	University Level	08 / 06 / 2022 to 07 / 06 / 2027
23	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Mahatma Gandhi University of Horticulture & Forestry Durg	University Level	16 / 06 / 2022 to 15 / 06 / 2027
24	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Indira Gandhi National Art Center, New Delhi	University Level	04 / 06 / 2022 to 03 / 06 / 2027
25	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Chhattisgarh Swami Vivekanand Technical University	University Level	20 / 07 / 2022 to 19 / 07 / 2027
26	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Jai Narain Vyas University, Jodhpur Rajasthan	University Level	20 / 07 / 2022 to 19 / 07 / 2027
27	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Sardar Patel University Mandi	University Level	20 / 08 / 2022 to 19 / 08 / 2027
28	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND**	University Level	06 / 10 / 2022 to 05 / 10 / 2027

	Shaheed Nandkumar Patel Vishwavidyalaya Raigarh (Chhattisgarh)		
29	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Dev Sanskriti University, Sankara, Durg, Chhattisgarh	University Level	21 / 09 / 2022 to 20 / 09 / 2027
30	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Adamya Chetana Foundation, Bengaluru, Karnataka	University Level	16 / 12 / 2022 to 15 / 12 / 2027
31	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** National Institute of Naturopathy, Pune, Maharashtra	University Level	17 / 12 / 2022 to 16 / 12 / 2027
32	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Sant Gahira Guru Vishwavidyalaya,Sarguja, Ambikapur (C.G.)	University Level	13 / 01 / 2023 to 12 / 01 / 2028
33	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar (C.G.)	University Level	21 / 01 / 2023 to 20 / 01 / 2028
34	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Sanchi University of Buddhist-Indic Studies, Sanchi Madhyapradesh	University Level	11 / 02 / 2023 to 20 / 01 / 2028
35	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh	University Level	14 / 03 / 2023 to 13 / 03 / 2028
36	Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) **AND** Sant Vinova Bhave Naturopathic Practitioner, Bilsapur, (C.G.)	University Level	07 / 04 / 2023 to 06 / 04 / 2025